संस्कृत शास्त्र भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और वाणिज्य जैसे आधुनिक विषयों का आधार बनते हैं : डॉ. पांडेय

मैत्रेयी कॉलेज दिल्ली के संस्कृत विभाग ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में मनाया संस्कृत सप्ताह

नई दिल्ली। मैत्रेयी कॉलेज के संस्कृत विभाग ने संस्कृत भारती, दिल्ली प्रांत के सहयोग से, शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में संस्कृत सप्ताह मनाया। कॉलेज की प्रिंसिपल प्रोफेसर हरितमा चोपड़ा के मार्गदर्शन में कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक मंगलाचरण के साथ हुई। जेएनयू के स्कूल ऑफ संस्कृत एंड इंडिक स्टडीज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कृष्ण मोहन पांडेय ने ष्भारतीय ज्ञान परंपरा का वैश्विक परिप्रेक्ष्यष विषय पर एक

ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे संस्कृत शास्त्र भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और वाणिज्य आदि जैसे आधुनिक विषयों का आधार बनते हैं। डॉ. पांडेय ने ऐतिहासिक संदर्भों का हवाला देते हुए आक्रमणकारियों द्वारा तक्षशिला और नालंदा जैसे भारतीय ग्रंथों, विद्वानों और शिक्षण केंद्रों के विनाश पर भी प्रकाश डाला।इस कार्यक्रम में संकाय और छात्रों की सक्रिय भागीदारी के साथ संस्कृत हस्ताक्षर अभियान, संस्कृत प्रश्नोत्तरी और संस्कृत श्लोक पाठ जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने स्वागत किया। प्रोफेसर प्रदीप राय, लाइब्रेरियन, और अन्य संकाय सदस्य जैसे डॉ. सुशील कुमारी, डॉ. धर्मेंद्र कुमार, डॉ. कुमुद रानी गर्ग, डॉ. रेखा कुमारी, डॉ. वेद वर्धन और डॉ. हेमलता रानी ने भी भाग लिया। डॉ. धर्मेन्द्र कुमार ने विभाग की ओर से सभी उपस्थित लोगों को धन्यवाद दिया। संस्कृत भारती महाविद्यालय प्रमुख लविश के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। संस्कृत विभाग की छात्रा शाइना, मानसी, छवि, कृतिका, ज्योति, साधना और अन्य ने संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए इस पहल का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

संस्कृत भाषा सभी आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का आधार है - डॉ. कृष्ण मोहन पाण्डेय

(आधुनिक राजस्थान)कृष्ण चतुर्वेदी, नई दिल्ली। मैत्रेयी महाविद्यालय के संस्कृत विभाग तथा संस्कृत भारती दिल्ली प्रांत के संयुक्त तत्त्वावधान में संस्कृत सप्ताह के शुभ अवसर पर अनेक अकादमिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. हरित्मा चोपड़ा के मार्गदर्शन में आयोजित प्रस्तुत कार्यक्रम का शुभारम्भ मंगलाचरण से हुआ। इसके पश्चात् भारतीय ज्ञान परम्परा का वैश्विक परिदृश्य विषय पर प्राच्यविद्या अध्ययन संकाय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सहाचार्य डॉ. कृष्ण मोहन पाण्डेय का अत्यंत ज्ञानवर्धक व्याख्यान हुआ। डॉ. पाण्डेय ने फिजिक्स, केमिस्ट्री, कॉमर्स आदि आधुनिक विषयों के प्रादुर्भाव को संस्कृत के ऋषि-मुनियों द्वारा प्रणीत शास्त्रों से सिद्ध किया। उन्होंने विभिन्न ऐतिहासिक संदर्भों का उल्लेख करते हुए हमारे शास्त्रों, विद्वानों व तक्षशिला- नालन्दा आदि अध्ययन केन्द्रों को आक्रान्ताओं द्वारा किस प्रकार नष्ट किया इन सभी घटनाओं को भी सप्रमाण उपस्थापित किया। साथ ही भारतीय ज्ञानपरम्परा की गौरवगाथा का विधिवत निरूपण भी किया, जिसे सुनकर श्रोतागण मन्त्र मुग्ध हो गए। इस अवसर पर संस्कृत हस्ताक्षर अभियान, संस्कृतप्रश्नमंच, संस्कृत श्लोकोच्चारण आदि प्रतियोगिताएं भी प्रमुख आयोजित की गई। जिनमें विभाग एवं विभागेतर अध्यापकों तथा छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह द्वारा स्वागत वक्तव्य दिया गया। पुस्तकालय अध्यक्ष, प्रो. प्रदीप राय की भी इस अवसर पर गरिमामयी उपस्थिति रही। डॉ, सुशील कुमारी, डॉ. रेखा कुमारी, डॉ. कुमुद रानी गर्ग, डॉ. धर्मेन्द्र कुमार, डॉ. वेदवर्द्धन तथा डॉ. हेमलता रानी आदि विभाग के सभी प्राध्यापक इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने सभी सभागत जनों के प्रति विभाग की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर संस्कृत भारती संस्था के पदाधिकारीगण एवं महाविद्यालय विभाग प्रमुख लविश के साथ-साथ बड़ी संख्या में छात्राओं की उपस्थिति रही। संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए की गयी? इस महनीय ज्ञानयज्ञ को विभाग की छात्राएं शाइना, मानसी, छवि, कृतिका, ज्योति, साधना तथा अन्य सभी विभागीय छात्राओं ने सफल बनाया।

संस्कृत भाषा सभी आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का आधार है - डॉ. कृष्ण मोहन पाण्डेय

नई दिल्ली। मैत्रेयी महा-विद्यालय के संस्कृत विभाग तथा संस्कृत भारती दिल्ली प्रांत के संयुक्त तत्त्वावधान में संस्कृत सप्ताह के शुभ अवसर पर अनेक अकादमिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. हरित्मा चोपड़ा के मार्गदर्शन में आयोजित प्रस्तुत कार्यक्रम का शुभारम्भ मंगलाचरण से हुआ। इसके पश्चात भारतीय ज्ञान परम्परा का वैश्विक परिदृश्य विषय पर प्राच्यविद्या अध्ययन संकाय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सहाचार्य डॉ. कृष्ण मोहन पाण्डेय का अत्यंत ज्ञानवर्धक व्याख्यान हुआ।

डॉ. पाण्डेय ने फिजिक्स, केमिस्ट्री, कॉमर्स आदि आधुनिक विषयों के प्रादुर्भाव को संस्कृत के ऋषि-मुनियों द्वारा प्रणीत शास्त्रों से सिद्ध किया। उन्होंने विभिन्न ऐतिहासिक संदर्भो का उल्लेख करते हुए हमारे शास्त्रों, विद्वानों व तक्षशिला- नालन्दा आदि अध्ययन केन्द्रों को आक्रान्ताओं द्वारा किस प्रकार नष्ट किया इन सभी घटनाओं को भी सप्रमाण उपस्थापित किया। साथ ही भारतीय ज्ञानपरम्परा की गौरवगाथा का विधिवत निरूपण भी किया, जिसे सुनकर श्रोतागण मन्त्र मुग्ध हो गए। इस अवसर पर संस्कृत हस्ताक्षर अभियान, संस्कृतप्रश्नमंच, संस्कृत श्लोकोच्चारण आदि प्रतियोगिताएं भी प्रमुख आयोजित की गई। जिनमें विभाग एवं विभागेतर अध्यापकों तथा छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह द्वारा स्वागत वक्तव्य दिया गया।

पुस्तकालय अध्यक्ष, प्रो. प्रदीप राय की भी इस अवसर पर गरिमामयी उपस्थिति रही। डॉ, सुशील कुमारी, डॉ. रेखा कुमारी, डॉ. कुमुद रानी गर्ग, डॉ. धर्मेन्द्र कुमार, डॉ. वेदवर्द्धन तथा डॉ. हेमलता रानी आदि विभाग के सभी प्राध्यापक इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने सभी सभागत जनों के प्रति विभाग की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर संस्कृत भारती संस्था के पदाधिकारीगण एवं महाविद्यालय विभाग प्रमुख लविश के साथ-साथ बड़ी संख्या में छात्राओं की उपस्थिति रही। संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए की गयी। इस महनीय ज्ञानयज्ञ को विभाग की छात्राएं शाइना, मानसी, छवि, कृतिका, ज्योति, साधना तथा अन्य सभी विभागीय छात्राओं ने सफल बनाया।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ना साम्प्रदायवाद, ना जातिवाद, केवल राष्ट्रवाद

इन्कलाब भारत

11:57 am

संस्कृत भाषा सभी आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का आधार है - डॉ. कृष्ण मोहन पाण्डेय

नई दिल्ली। मैत्रेयी महा-विद्यालय के संस्कृत विभाग तथा संस्कृत भारती दिल्ली प्रांत के संयुक्त तत्त्वावधान में संस्कृत सप्ताह के शुभ अवसर पर अनेक अकादमिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. हरित्मा चोपड़ा के मार्गदर्शन में आयोजित प्रस्तुत कार्यक्रम का शुभारम्भ मंगलाचरण से हुआ। इसके पश्चात भारतीय ज्ञान परम्परा का वैश्विक परिदृश्य विषय पर प्राच्यविद्या अध्ययन संकाय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सहाचार्य डॉ. कृष्ण मोहन पाण्डेय का अत्यंत ज्ञानवर्धक व्याख्यान हुआ।

डॉ. पाण्डेय ने फिजिक्स, केमिस्ट्री, कॉमर्स आदि आधुनिक विषयों के प्रादुर्भाव को संस्कृत के ऋषि-मुनियों द्वारा प्रणीत शास्त्रों से सिद्ध किया। उन्होंने विभिन्न ऐतिहासिक संदर्भो का उल्लेख करते हुए हमारे शास्त्रों, विद्वानों व तक्षशिला- नालन्दा आदि अध्ययन केन्द्रों को आक्रान्ताओं द्वारा किस प्रकार नष्ट किया इन सभी घटनाओं को भी सप्रमाण उपस्थापित किया। साथ ही भारतीय ज्ञानपरम्परा की गौरवगाथा

का विधिवत निरूपण भी किया, जिसे सुनकर श्रोतागण मन्त्र मुग्ध हो गए। इस अवसर पर संस्कृत हस्ताक्षर अभियान, संस्कृतप्रश्नमंच, संस्कृत श्लोकोच्चारण आदि प्रतियोगिताएं भी प्रमुख आयोजित की गई। जिनमें विभाग एवं विभागेतर अध्यापकों तथा छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह द्वारा स्वागत वक्तव्य दिया गया।

पुस्तकालय अध्यक्ष, प्रो. प्रदीप राय की भी इस अवसर पर गरिमामयी उपस्थिति रही। डॉ, सुशील कुमारी, डॉ. रेखा कुमारी, डॉ. कुमुद रानी गर्ग, डॉ. धर्मेन्द्र कुमार, डॉ. वेदवर्द्धन तथा डॉ. हेमलता रानी आदि विभाग के सभी प्राध्यापक इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने सभी सभागत जनों के प्रति विभाग की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर संस्कृत भारती संस्था के पदाधिकारीगण एवं महाविद्यालय विभाग प्रमुख लविश के साथ-साथ बड़ी संख्या में छात्राओं की उपस्थिति रही। संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए की गयी। इस महनीय ज्ञानयज्ञ को विभाग की छात्राएं शाइना, मानसी, छवि, कृतिका, ज्योति, साधना तथा अन्य सभी विभागीय छात्राओं ने सफल बनाया।

11:58 am